Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 03 जुलाई, 2020

drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-03-july-2020

'ड्रीम केरल' प्रोजेक्ट

केरल सरकार कोरोना वायरस (COVID-19) महामारी के कारण अपना रोज़गार खोने के बाद विदेश और अन्य राज्यों से लौटने वाले लोगों की क्षमता और अनुभव का लाभ प्राप्त करने तथा उनके पुनर्वास की व्यवस्था करने के लिये 'ड्रीम केरल' (Dream Kerala) प्रोजेक्ट शुरू करने की योजना बना रही है। यह निर्णय हाल ही में राज्य के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में लिया गया। एक अनुमान के अनुसार, केरल में लौटने वाले लगभग 52 प्रतिशत प्रवासी भारतीयों ने अपना रोज़गार खो दिया है। राज्य सरकार द्वारा प्रदान किये गए आँकड़ों के मुताबिक लगभग 143,000 लोग मई माह से अब तक निकासी मिशन में विदेश से केरल वापस लाए गए हैं। गौरतलब है कि इस परियोजना का समन्वय केरल सरकार के विभिन्न विभागों के माध्यम से किया जाएगा, साथ ही राज्य के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने आगामी 100 दिन के भीतर परियोजना के सफल क्रियान्वयन का लक्षय निर्धारित किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, राज्य में विदेशों और देश के अन्य हिस्सों से लौटने वाले लोगों लोगों में अधिकांश संख्या पेशेवरों की है, जो कि विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशेषज्ञता और अनुभव के लिये प्रसिद्ध हैं। इस परियोजना का उद्देश्य उनके पुनर्वास की व्यवस्था करने के साथ-साथ भविष्य के लिये उनकी क्षमता का दोहन करना भी है। ध्यातव्य है कि वर्ष 2018 में प्रवासी भारतीयों द्वारा लगभग 85,000 करोड़ रुपए केरल में भेजे गए थे।

श्रीकांत माधव वैद्य

हाल ही में श्रीकांत माधव वैद्य ने देश की सबसे बड़ी पेट्रोलियम कंपनी इंडियन आयल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (Indian Oil Corporation Limited-IOCL) के चेयरमैन (Chairman) का कार्यभार संभाल लिया है। श्रीकांत माधव वैद्य ने इस पद पर 30 जून, 2020 को सेवानिवृत्त हुए संजीव सिंह का स्थान लिया है। गौरतलब है कि श्रीकांत माधव वैद्य इंडियन आयल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (IOCL) के चेयरमैन होने के साथ ही चेन्नई पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड (CPCL) और इंडियन आयलटैंकिंग लिमिटेड (IOT) के भी चेयरमैन होंगे। चेन्नई पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड (CPCL) इंडियन आयल (IOCL) की अनुषंगी (Subsidiary) कंपनी है जबकि इंडियन आयलटैंकिंग लिमिटेड (IOT) एक संयुक्त उद्यम कंपनी है। इंडियन आयल (IOCL) का चेयरमैन नियुक्त होने से पूर्व श्रीकांत माधव वैद्य इंडियन आयल (IOCL) कंपनी के निदेशक मंडल में निदेशक (रिफाइनरी) के तौर पर कार्य कर रहे थे, जहाँ उनकी नियुक्ति अक्तूबर 2019 में की गई थी। राउरकेला (ओडिशा) के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नालाजी (National Institute of Technology, Rourkela) से कैमिकल इंजीनियर की डिग्री प्राप्त करने वाले श्रीकांत माधव वैद्य को रिफाइनिंग और पेट्रोरसायन परिचालन के क्षेत्र में लगभग 34 वर्ष का व्यापक अनुभव है।

'ग्रेट इमिग्रेंट्स' सम्मान

COVID-19 स्वास्थ्य संकट को कम करने के प्रयासों में योगदान देने हेतु पुलित्ज़र पुरस्कार (Pulitzer Prize) विजेता सिद्धार्थ मुखर्जी और हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राज चेट्टी समेत कुल 38 प्रवासी अमेरिकी नागरिकों को कार्नेगी कॉरपोरेशन ऑफ न्यूयॉर्क (Carnegie Corporation of New York) द्वारा वर्ष 2020 के लिये 'ग्रेट इमिग्रेंट्स' (Great Immigrants) के रूप में सम्मानित किया है। चिकित्सक और लेखक सिद्धार्थ मुखर्जी का जन्म दिल्ली में हुआ था और वे प्रसिद्ध कैंसर विज्ञानी (Oncologist), जीवविज्ञानी और कई प्रख्यात पुस्तकों के लेखक हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2011 में उनकी किताब के लिये उन्हें पुलित्ज़र पुरस्कार (Pulitzer Prize) से भी सम्मानित किया गया था, वर्तमान में वे कोलंबिया विश्वविद्यालय (Columbia University) में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। इसके अलावा प्रोफेसर राज चेट्टी का जन्म भी दिल्ली में हुआ था वर्तमान में वे हार्वर्ड विश्वविद्यालय (Harvard University) में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर के तौर पर कार्यरत हैं। ध्यातव्य है कि प्रत्येक वर्ष 04 जुलाई को अमेरिका के कार्नेगी कॉरपोरेशन ऑफ न्यूयॉर्क (Carnegie Corporation of New York) द्वारा ऐसे प्रवासी अमेरिकी नागरिकों को सम्मानित किया जाता है, जो अमेरिकी समाज की प्रगति में उल्लेखनीय योगदान देते हैं।